बलिया दर्शन

VOLUME 38

01/NOV/2019 TO
30/NOV/2019

ई-पत्रिका

स्वच्छ बलिया स्वस्थ बलिया

श्री दिनेश कुमार विश्वकर्मा
(अधिशाषी अधिकारी)

बलिया संदेश

श्री अजय कुमार (अध्यक्ष)

I am delighted to present the tasks and issue of Ballia Nagar Palika by e Patrika Ballia Sandesh in November 2019. Nagar Palika Parishad Ballia is grateful to the citizens who displayed tremendous enthusiasm and whole heartedly participated in numerous activities throughout this period. All of us should bear in mind that this is not end but a beginning of the exercise pertaining to development and Swachh Mission program. The coming times will surely be very hectic and eventful. Ballia promises to leave no room for complacency and will work even harder to achieve the targets. We solicit active participation from the citizens in our endeavor. We sincerely believe that decisions taken by Nagar Palika Parishad Ballia should benefit Nagar Palika Parishad Ballia and the citizens in the ultimate analysis. Many projects process in work in Nagar Palika Parishad Ballia for development our Nagar Palika and citizens. Thanks to all citizens of Nagar Palika Parishad Ballia for supporting to develop Ballia.

Chhat Puja / (छठ पूजा)

02/11/2019

छठ पूजा की शुरूआत कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की चतुर्थी के दिन नहाय खाय के साथ होगी। इस दिन व्रत स्नान करके नए कपड़े धारण करते है और शाकाहारी भोजन करते है। व्रती के भोजन करने के बाद ही परिवार के अन्य सदस्य भोजन ग्रहण करते हैं।

दूसरा दिन खरना

तीन दिनों का महापर्व छठ दिवाली के छठे दिन मनाया जाता है। दिवाली खत्म होते ही लोग छठ की तैयारी में लग जाते हैं। जैसा कि आपको पता है छठ की शुरुआत 'नहाय खाय' से होती है आपको बता दें कि इस साल 31 अक्टूबर को 'नहाय खाय' मनाया जाएगा। इस दिन जो भी छठ करने वाले व्यक्ति हैं वह स्नान करने के बाद नए कपड़े पहनते हैं और उसके बाद भी खाना खाते है। 'नहाय खाय' के दिन एक बात का खास ध्यान रखा जाता है वह यह कि खाना में किसी भी प्रकार के मसाला और लहसन और प्याज न मिलाया जाए। इसका साफ अर्थ यह है कि काफी साधारण तरीके से आज के दिन खाना बनाया जाता है।

तीसरे दिन 'अस्त होते सूर्य को अर्घ्य'

छठ के तीसरे दिन यानी शाम के वक्त अस्त होते हुए सूर्य को अर्घ्य दी जाती है। इस बार शाम का अर्घ्य 2 नवंबर को है। छठ व्रती पूरे दिन निर्जला व्रत करते हुए शाम को अस्त होते हुए सूर्य को अर्घ्य देती है। इस दिन नदी या तालाब में सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा है।

चौथे दिन 'उगते हुए सूर्य को अर्घ्य'

चौथे दिन उगते हुए सूर्य को अर्घ्य दी जाती है। अर्घ्य देने के बाद लोग घाट पर बैठकर विधिवत तरीके से पूजा करते हैं फिर आसपास के लोगों को प्रसाद दिया जाता है। इस बार 3 नवंबर को मनाया जाएगा।

छठ पूजा तिथि व मुहूर्त

2 नवंबर 2019

छठ पूजा के दिन सूर्योदय – सुबह 6 बजकर 33 मिनट

छठ पूजा के दिन सूर्यास्त – शाम 5 बजकर 35 मिनट

(गुरू नानक जयंती)

12/11/2019

गुरु नानक देव जी के जन्मदिन पर गुरुदेव जी श्री श्री रवि शंकर जी का संदेश

500 साल पहले भारत में गुरु नानक देव जी नामक एक महान संत थे। गुरु नानक देव जी पंजाब के रहने वाले थे। गुरु नानक देव जी ने बगदाद तक आध्यात्मिकता, परमेश्वर के साथ एकता, और भक्ति के महत्व को फैलाया था। आज, सिख समुदाय गुरु नानक देव जी का जन्मदिन मनाता है और सिख समुदाय के लिए यह एक महत्वपूर्ण दिन है। आज कार्तिक पूर्णिमा भी है, और आज ही के दिन जैन धर्म के प्रधानाध्यापक भगवान महावीर को ज्ञान प्राप्त हुआ था।

सिख धर्म में दस गुरु थे, और गुरु नानक देव जी प्रथम गुरु थे (सिख धर्म के संस्थापक)। सिख परंपरा के सभी दस गुरुओं की कहानियां हर्षित और उत्थान हैं - वह उनके त्याग को दर्शाती हैं। गुरुओं ने अच्छे, निर्दोष और धार्मिक लोगों की रक्षा के लिए अपना सब कुछ बलिदान कर दिया था। साधारण शब्दों में लोगों को गुरुओं द्वारा ज्ञान दिया गया था।

गुरु नानक देव जी का संदेश क्या था?

गुरु नानक देव जी ने भक्ति के अमृत-भक्ति रस के बारे में बात की थी। गुरु नानक देव जी भक्ति योग में पूरी तरह से विसर्जित एक भक्त थे , जबकि गुरु गोबिंद सिंह एक कर्म योगी थे (जो अपने कर्म या कर्म करने में विश्वास रखते थे)।

जब लोग सांसारिक मामलों में उलझ जाते हैं, गुरु नानक देव जी ने उन्हें अपने अंदर की ओर जाने के लिए प्रेरित किया - यही उनका संदेश था। गुरु नानक देव जी ने कहा, इतने भी सांसारिक मामलों में मत उलझ जाओ कि आप परमेश्वर के नाम को भूल जाओ।

नुक्कड़ नाटक से कुपोषण के प्रति किया जागरूक

बलिया। जिला कार्यक्रम अधिकारी अन्नपूर्णा गर्ग (आईएएस) के मार्गदर्शन में 'जश्न-ए-सुपोषण' की टीम ने नुक्कड़ नाटक के जरिए शहर व ददरी मेला में नाटक प्रस्तुत कर कुपोषण के प्रति लोगों को जागरूक किया। नाटक के जरिए एनीमिया के लक्षण व बचाव के तरीके बताए। टीडी कालेज चौराहे से शुरू हुए नाटक को डीएम श्रीहरि प्रताप शाही, सीडीओ बद्रीनाथ सिंह व डीपीओ अन्नपूर्णा गर्ग समेत सैकड़ों आम लोगों ने देखा। कलाकारों ने निःशुल्क टीकाकरण, पोषाहार वितरण, गर्भवती माताओं और बच्चों के देखभाल के तरीके को नाटक के जरिए समझाया। शौचालय बनवाने और शौच के लिए उसका ही प्रयोग कर अनेकों बीमारियों से बचने की बात समझाई।

कुपोषण के प्रति जागरूकता अभियान को गति देने के लिए शहर के टीडी कॉलेज चौराहे नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत करते कलाकार। ● हिन्दुस्तान

ग्रामीण क्षेत्र में लगे मेले में लोगों ने की खरीदारी

बलिया | निज संवाददाता

ग्रामीण क्षेत्रों में कार्तिक पूर्णिमा पर लगे मेले में लोगों ने खूब खरीदारी की। इसमें बच्चों व महिलाओं की भारी भीड़ रही। इससे पहले भोर में लोगों ने गंगा, तमसा व सरयू नदी में गोता लगाया। उन्होंने दान-पुण्य करने के साथ ही गंगा पूजा भी की।

शहर से सटे सागरपाली के सामने तमसा (टोंस) नदी में सैकड़ों लोगों ने मंगलवार को डुबकी लगायी। इसके बाद उन्होंने नदी तट पर लगे मेला में चाट-छोला व गुड़ही जलेबी का आनंद लिया। बच्चों ने मेला में लगी दुकानों से खिलौनों की खरीदारी की। सुरक्षा के लिये एसओ फेफना शशिमौली पांडेय फोर्स के साथ तैनात रहे। **बिल्थरारोड**

हलचल

- रामगढ़, लालगंज, सिकन्दरपुर में मेले में महिलाओं की रही भीड़
- बच्चों ने खिलौने की खरीदारी सुरक्षा में लगे रहे जवान

हिसं के अनुसार खैरा मठ, गुलौरा-मठिया शिव मंदिर घाट, तुर्तिपार घाट, बिल्थरा बाजार घाट, हल्दी रामपुर, सहियां आदि जगहों पर हजारों लोगों ने सरयू नदी में डुबकी लगायी। स्नान के बाद लोगों ने पूजा-पाठ कर भगवान भाष्कर को अर्घ्य दिया। इस दौरान तुर्तीपार मौनी बाबा घाट पर लगे मेला का आनंद लिया। सुरक्षा के लिये एसओ उभांव योगेंद्र बहादुर सिंह, एसआई रामसिंह यादव थे।

कार्तिक पूर्णिमा पर मंगलवार को गंगा स्नान के बाद ददरी के मीना बाजार के पहले दिन खरीदारी व मेला देखने के लिए उमड़ी भीड़। • हिन्दुस्तान

कुपोषण के प्रति जागरूकता अभियान को गति देने के लिए शहर के टीडी कॉलेज चौराहे नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत करते कलाकार। • हिन्दुस्तान

नगर पंचायतों में भी गृहकर के लिए स्वकर प्रणाली

लखनऊ | विशेष संवाददाता

राज्य सरकार ने छोटे शहरों यानी नगर पालिका परिषद और नगर पंचायतों में रहने वालों को गृहकर जमा करने के लिए स्वकर प्रणाली व्यवस्था लागू करने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सोमवार को हुई कैबिनेट की बैठक में उत्तर प्रदेश नगर पालिका परिषद (भवन या भूमि या दोनों के वार्षिक मूल्य पर कर) नियमावली 2019 को मंजूरी दी गई।

नगर विकास विभाग ने नगर पालिका परिषदों और नगर पंचायतों में भवन या भूमि या दोनों के वार्षिक मूल्य में एकरूपता लाने और कर निर्धारण की प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और वस्तुनिष्ठ बनाने के उद्देश्य से नगर पालिका परिषदों एवं नगर पंचायतों की सीमा में स्थित भवनों और भूमियों पर सम्पत्ति कर लगाए जाने की व्यवस्था की गई है। उप्र नगर पालिका अधिनियम-1916 (उप्र अधिनियम 1916 के आधार पर उप्र नगर पालिका (भवन या भूमि या दोनों के वार्षिक मूल्य पर कर) नियमावली-2019 को मंजूरी दी गई है।

इस नियमावली में संपत्तियों को चार श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है। सम्पत्तियों को उनकी अवस्थिति, भवन के निर्माण की प्रकृति के आधार पर 12 समूहों में बांटा गया है। कर की गणना का मूल आधार प्रत्येक दो वर्ष में किए जाने वाले प्रत्येक भवन समूह के लिए निर्मित क्षेत्र की प्रति इकाई क्षेत्रफल प्रति वर्ग फीट के लिए न्यूनतम मासिक किराए की दर पर आधारित होगी। अनावसिक भवनों के लिए सम्पत्ति कर की अधिकतम दरें आवासिक का तीन गुना निर्धारित किया गया है। नगर पालिका परिषदों एवं नगर पंचायतों की वित्तीय स्थिति इस नियमावली के प्रख्यापित हो जाने के फलस्वरूप प्राप्त होने वाले करों के दृष्टिगत सुदृढ़ होगी। नगर निगम अधिनियम, 1959 की धारा-172 में प्रदेश के नगर निगम सीमा में स्थित भवन और भूमि पर सम्पत्ति कर लगाए जाने का प्राविधान है। सम्पत्ति कर के अन्तर्गत सामान्य कर (भवन कर), जल कर और जल निस्सारण कर (सीवर कर) आते हैं। कर निर्धारण की प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और वस्तुनिष्ठ बनाने के उद्देश्य से अधिनियम-1959 में संशोधन कर स्व-निर्धारण का विकल्प लागू किया गया है।

यूपी सरकारके प्रवक्ता कैबिनेट मंत्री श्रीकांत शर्मा और सिद्धार्थनाथ सिंह सोमवार को कैबिनेट बैठक में लिये गए फैसले की जानकारी देते हुए।

मंत्रियों ने शांतिपूर्ण व्यवस्था के लिए सीएम को दी बधाई

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या मसले पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद सब कुछ शांति से निपट जाने पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने इस मुद्दे पर सोमवार को कैबिनेट की बैठक में चर्चा भी की। यूपी कैबिनेट की बैठक में सभी मंत्रियों ने सर्वोच्च न्यायालय के अयोध्या फैसले पर मुख्यमंत्री को बधाई दी। जबकि मुख्यमंत्री ने सभी मंत्रियों को बधाई दी। कैबिनेट में मंत्रियों का कहना था कि सोशल मीडिया की लगातार हुई निगरानी और तत्परता का असर रहा कि इतने बड़े ऐतिहासिक फैसले के बावजूद भी पूरे प्रदेश में अमन-चैन और शांति व्यवस्था बनी रही। इसके लिए मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को भी धन्यवाद दिया है।

ये फैसले भी हुए

1. रामपुर और सम्भल में 765 और 400 केवी के ट्रांसमिशन लाइन का काम भी पॉवर ग्रिड को देने को मंजूरी मिली है। 2021 तक यह भी पूरा हो जाएगा। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 13 जिले इससे लाभान्वित होंगे। रोस्टिंग और ओवरलोडिंग की समस्या से निजात मिलेगी। दोनों ही प्रोजेक्ट पीपीपी मॉडल पर होंगे।

2. यूपी सरकारी सेवक पदोन्नति नियमावली में बदलाव को कैबिनेट की मंजूरी मिल गई है। चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को इसका लाभ मिलेगा।

3. ग्राम्य विकास विभाग द्वारा संचालित अंबेडकर विशेष रोजगार योजना के मार्गदर्शी सिद्धांतों को मंजूरी मिल गई है। योजना का नाम अब बाबा साहेब अम्बेडकर रोजगार प्रोत्साहन योजना होगा। अब टॉस्क फोर्स में कृषि उत्पादन आयुक्त की जगह ग्राम्य विकास आयुक्त होंगे एवं सचिव सदस्य होंगे।

4. ई-स्टाम्प नियमावली में बदलाव किया गया है। लाइसेंस होल्डर स्टाम्प विक्रेता अब कलेक्शन सेंटर होंगे। पहले 15 हजार तक का स्टाम्प बेच सकते थे। अब यह सीमा हटा दी गई है।

5. मदरसा आधुनिकीकरण योजना की नवीन गाइडलाईंस के अनुसार व्यय भार निर्धारण मंजूर कर लिया गया है। प्रदेश में चल रहे 7442 मदरसों को केंद्रांश 60% और राज्यांश 40% दिया जाएगा। अब योजना का नाम स्कीम फॉर प्रोवाइडिंग एजुकेशन इन मदरसा कर दिया गया है। 213 करोड़ का भार पड़ेगा।

6. अलीगढ़ में राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय के लिये राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 में संशोधन को मंजूर कर लिया गया है। अलीगढ़ के साथ ही एटा, कासगंज, व हाथरस इसके क्षेत्राधिकार में आयेंगे। जब तक विश्वविद्यालय की नियमावली नहीं बन जाती है, तब तक भीम राव अम्बेडकर विश्वविद्यालय आगरा इस क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कॉलजों का संचालन करेगा।

7. कुशीनगर में मैत्रेय ट्रस्ट के साथ विकास योजना के एमओयू को निरस्त किया गया। 2003 में हुए समझौते को 2014 में संशोधन किया गया। 195 एकड़ जमीन दी गई थी। इस परियोजना के तहत कसया तहसील में 180 एकड़ खरीदी गई और 16 एकड़ ग्राम समाज की दी गई। 2017 तक कोई काम नहीं हुआ। लगातार नोटिस देने के बाद भी उन्होंने न डीपीआर दिया और ना ही वित्त की व्यवस्था कैसे होगी यह बताया। अब पर्यटन विभाग इसको विकसित करेगा। बुध प्रतिमा, ध्यान केंद्र, जलाशय आदि विकसित किए जाएंगे। गोरखपुर गेस्ट हाउस के सामने 1500 वर्ग मीटर में नगर निगम का भवन बनेगा। जिसकी लागत 23.45 करोड़ रुपये होगी।

महावीर घाट मार्ग पर कूड़ा डम्प के विरोध में नहीं हो सका था उठान, कूड़ा हटाये जाने के बाद लोगों ने ली राहत की सांस

नगर पालिका ने शुरू कराया कूड़े का उठान

हिन्दुस्तान असर

बलिया | निज संवाददाता

महावीर घाट मार्ग पर कूड़ा डम्प करने के विरोध के चलते मंगलवार को शहर में उठान नहीं हो सका था। इसके चलते मुख्य बाजार, सड़कों व गली-मुहल्लों में कचरा पड़ा रहा। आपका अपना प्रिय अखबार 'हिन्दुस्तान' ने 20 नवंबर के अंक में 'डम्पिंग के विरोध में नहीं उठा शहर का कूड़ा' शीर्षक से खबर प्रकाशित किया। खबर छपने के बाद नगर पालिका के अधिकारियों ने कूड़ा उठान की व्यवस्था शुरू कराई। गुरूवार को दोपहर बाद शहर में कूड़ा का उठान शुरू हो गया।

दोपहर बाद महावीरघाट में शहर के उठान हुए कूड़ों को गिराता डम्फर। • हिन्दुस्तान

ई-कचरे के तमाम खतरों से बेपरवाह क्यों हैं हम

बलिया में नगरा बीडीओ को हटाने का आदेश

आजमगढ़ | निसं

मंडलायुक्त कनक त्रिपाठी ने गुरुवार की देर शाम को आजमगढ़ मंडल के बलिया जिले में पंचायती राज विभाग के तहत कराये जाने वाले कार्यों की समीक्षा की। कई विकास खण्डों में कार्यों की प्रगति खराब मिलने पर बीडीओ नगरा को हटाने का निर्देश दिया। साथ ही शौचालय की बड़ी मात्रा में धनराशि लाभार्थियों के खाते में न भेजे जाने पर रसड़ा, बेरुआरबारी एवं मुरलीछपरा के बीडीओ की विस्तृत जांच करने का जिलाधिकारी को निर्देश दिया।

कार्रवाई

- रसड़ा व मुरलीछपरा के बीडीओ की होगी जांच
- मंडलायुक्त ने की बलिया जिले की समीक्षा

मंडलायुक्त ने असन्तोष व्यक्त करते हुए कहा कि शौचालयों की धनराशि रोके रखना संदेहास्पद है। उप निदेशक पंचायती राज को निर्देश दिया कि जिन विकासखंडों में धनराशि ट्रांसफर किया जाना शेष है उनसे संबंधित अधिकारियो का उत्तरदायित्व निर्धारित करते हुए चार्जशीट निर्गत की जाय।

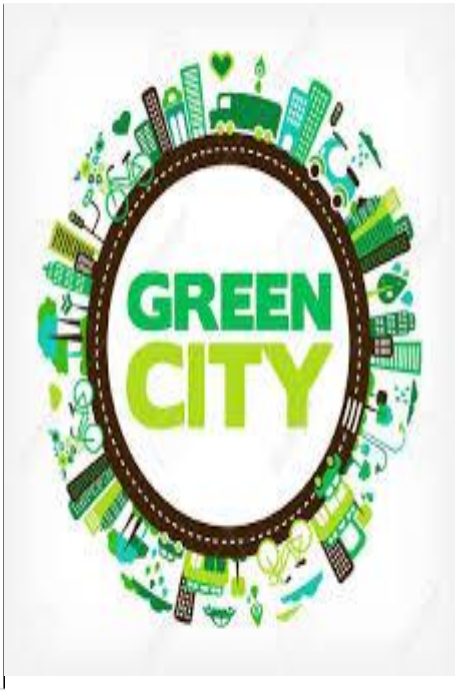

स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत खुले मे शौच से मुक्ति के सम्बन्ध में जागरूकता हेतु एक मार्मिक अपील

जागो युवा जागो स्वच्छ भारत है तुम्हारा अधिकार लेकिन पहले उठाओं पहले कर्तव्य का भार

****

जब होगी हर डगर, हर गली साफ |
तो ही पूरी होगी स्वच्छ भारत की आस ||

****

हर गाँव हर शहर होगा जब साफ |
तभी हो पाएगा देश का सही विकास ||

****

स्वच्छ भारत अभियान है एक आस |
ताकि हो भारत देश का सम्पूर्ण विकास ||

****

स्वच्छता ही है एक मात्र उपाए |
जो सभी को हमेशा स्वस्थ्य बनाए ||

****

स्वच्छता है महा अभियान |
स्वछता मे दीजिए अपना योगदान ||

****

हाथ से हाथ मिलाना है
गंदगी नहीं फैलाना है
स्वच्छता को अपनाना है

****

स्वच्छ भारत मिशन बलिया

श्री दिनेश कुमार विस्वकर्मा
(अधिशाषी अधिकारी)

श्री अजय कुमार
(अध्यक्ष)

बलिया दर्शन

Contact Us

: www.fageosystems.in

: info@fageosystems.in

Tel/Fax : 01204349756